POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A.-2 (Sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

② संविधानवाद की साम्यवादी अवधारणा

संविधानवाद की साम्यवादी अवधारणा के अनुसार राजनीतिक शक्ति का आधार आर्थिक शक्ति है। उत्पादन के प्रमुख साधन एवं आर्थिक शक्ति पूँजीवादी व्यवस्था में केवल कुछ हाथों में ही रहते हैं जो इसका प्रयोग अपने हितों की रक्षा के लिए करते हैं। इसलिए साम्यवादी ऐसी संस्थाओं की स्थापना के समर्थक हैं जिससे आर्थिक शक्ति कुछ वर्गों में न रहकर सभी व्यक्तियों के हाथ में रहे। उनकी धारणा है कि आर्थिक शक्ति सम्पूर्ण समाज में निहित होगी तो राजनीतिक शक्ति भी सम्पूर्ण समाज के नियंत्रण में आ जाएगी।

साम्यवादी अवधारणा के समर्थक उत्पादन के साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व की बात करते हैं। वे सम्पत्ति के समान वितरण पर भी जोर देते हैं। उनका मानना है कि समाज में धन एवं शक्ति का केंद्रीकरण नहीं होना चाहिए।

Scanned with CamScanner